संपादकीय

घूसखोरी का फंदा

भ्रष्टाचार दूर होने के तमाम दावों के बीच करप्शन बढ़ता ही जा रहा है। ट्रांसपैरंसी इंटरनैशनल इंडिया द्वारा किए गए सर्वे 'इंडिया करप्शन सर्वे 2018' के मुताबिक देश में रिश्वत देकर काम कराने वालों की संख्या में 11 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। सर्वे में बताया गया कि 2017 में 45 प्रतिशत लोगों ने रिश्वत देने की बात कबूल की थी, लेकिन इस साल अपना काम कराने के बदले रिश्वत देने वालों का आंकड़ा बढ़कर 56 प्रतिशत पर पहुंच गया। सर्वे में जमीन की रजिस्ट्री जैसे कामों के लिए सबसे ज्यादा 30 प्रतिशत लोगों ने सरकारी कर्मचारियों को घूस देने की बात कही है। पुलिस महकमा रिश्वतखोरी के मामले में दूसरे नंबर पर है। सर्वे में शामिल 25 प्रतिशत लोगों ने बताया कि पुलिस से जुड़े कामकाज के लिए उनको घूस देनी पड़ी, जबकि 18 प्रतिशत लोगों ने नगर निकायों से जुड़े कार्यों में रिश्वत देने की बात कही।

हमारे देश में करप्शन ही वह मुद्दा है, जिसको हर चुनाव में जरूर उठाया जाता है। शायद ही कोई पार्टी हो जो अपने घोषणापत्र में भ्रष्टाचार दूर करने का वादा न करती हो। फिर भी इस समस्या से निजात मिलना तो दूर, इसकी रफ्तार कम होने का भी कोई संकेत आज तक नहीं मिला। करप्शन से लड़ने के लिए जो नियम-कानून बनते हैं, उनका ढंग से पालन नहीं हो पाता। कारण यह कि पालन कराने की जवाबदेही उन्हीं की होती है, जिनके खिलाफ ये कानून बने होते हैं। भ्रष्टाचार उन्मूलन (संशोधन) विधेयक 2018 सरकार ने इसी साल पास कराया। इसके तहत किसी बड़ी कंपनी या कॉर्पोरेट हाउस की ओर से सरकारी नीति को तोड़ने-मरोड़ने के लिए ऑफिसरों को रिश्वत दी गई तो न केवल वे अधिकारी नपेंगे, बल्कि घूस देने वाली कंपनी या कॉर्पोरेट हाउस के जवाबदेह लोग भी अंदर जाएंगे। कानून तो अच्छा है, पर यह सार्थक तभी होगा जब इसके सख्ती ले लागू होने की मिसालें पेश की जाएं।

सबसे बड़ी समस्या छोटे लेवल पर घूसखोरी की है, जिससे देश का गरीब से गरीब तबका भी जूझ रहा है। ऊपर से नीचे तक सार्वजनिक संसाधनों को गटकने वाला अधिकारी-कर्मचारी, नेता और दलालों का एक मजबूत गठजोड़ बन गया है, जिसे तोड़ने की शुरुआत तभी होगी, जब कोई सरकार अपने ही एक हिस्से को अलग-थलग करने की हिम्मत दिखाए। अन्ना आंदोलन ने लोकपाल के अलावा स्थानीय भ्रष्टाचार के मुद्दे को भी गंभीरता से उठाया था। उस दबाव में एक-दो राज्य सरकारों ने खुद पहलकदमी करके कर्मचारियों की जवाबदेही तय करने के लिए कुछ नियम बनाए थे। लेकिन दबाव कम होते ही सब कुछ फिर पुराने ढर्रे पर चलने लगा। केंद्र सरकार वाकई भ्रष्टाचार दूर करना चाहती है तो उसे असाधारण इच्छाशक्ति दिखानी होगी।

गिर रहा है कीमत रुपया की और बढ़ रही है डॉलर की, संकट के नहीं हालात

नई दिल्ली. अर्थशास्त्री वर्ष 2018 के प्रारंभ से अब तक भारतीय रुपया 20 प्रतिशत से अधिक गिर कर बीते सप्ताह तक वह 74.72 रुपये प्रति डॉलर तक पहुंच गया था. उधर पेट्रोल डीजल की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि हुई है. देश का चालू खाते पर विदेशी भुगतान घाटा जो वर्ष 2017-18 में जीडीपी के 1.9 प्रतिशत ही था, चालू वित्तीय वर्ष में 2.6 प्रतिशत तक भी पहुंच सकता है. ऐसा प्रतीत होता है कि भारत पुनः एक बार आर्थिक संकट में घिर गया है. लेकिन ऐसी परिस्थितियां भारत के लिए कोई नई बात नहीं है. वर्ष 2011-12 और 2012-13 में चालू खाते पर विदेशी भुगतान घाटा जीडीपी के चार प्रतिशत से भी ज्यादा हो गया था. पेट्रोल डीजल की कीमतें भी काफी ऊंची थी और रुपया भी इस दौरान कमजोर हो रहा था.

जीडीपी ग्रोथ

अब सवाल यह उठता है कि क्या भारत पुनः उसी प्रकार के संकट में आ पहुंचा है, जैसे वह 2012-13 में पहुंच गया था. उस समय की आर्थिक परिस्थितियां वास्तव में गंभीर थीं. आज की परिस्थिति अलग है. पिछले एक दशक में लगभग आठ प्रतिशत औसत जीडीपी ग्रोथ के मुकाबले 2011-12 और 2012-13 में जीडीपी की वृद्धि दर क्रमशः 6.2 और 4.2 प्रतिशत तक पहुंच गई थी. जबकि वर्ष 2017-18 में जीडीपी वृद्धि दर 7.3 प्रतिशत रही और 2018-19 के लिए इसके 7.8 प्रतिशत तक पहुंचने की आशा है, ऐसा अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां बता रही हैं. यही नहीं 2012 और 2013 में महंगाई दर दो अंकों में पहुंच गई थी, जो आज 3.5 प्रतिशत के आसपास है. कहा जा सकता है कि भारतीय रुपये पर संकट बरकरार है और पेट्रोल डीजल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, फिर भी भारतीय अर्थव्यवस्था एक मजबूत मुकाम पर

संकट जैसे कोई हालात नहीं

सरकार का बजट पूरी तरह से नियंत्रण में है और प्रत्यक्ष- अप्रत्यक्ष कर समेत केंद्र व राज्य सरकारों का राजस्व बढ़ रहा है. हालांकि पिछले कुछ समय से अंतरराष्ट्रीय कारणों से देश में डॉलर की मांग बढ़ने से रुपये पर दबाव आ रहा है, लेकिन इसमें संकट जैसे कोई हालात नहीं. डॉलर की मांग बढ़ने के दो कारण दिखाई देते हैं. पहला तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में वृद्धि होना. दूसरा अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में वृद्धि करने के कारण विदेशी संस्थागत निवेशक अपना पैसा भारतीय बाजारों से निकालकर ले जा रहे हैं. यही नहीं ट्रंप सरकार ने आय और कंपनी आय कर दोनों बहुत कम कर दिए हैं. इस कारण से भी कुछ निवेशक अमेरिका में निवेश कर रहे हैं. लेकिन इन कारणों का असर बहुत लंबे समय तक रहने वाला नहीं है. बीते 10 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल के वायदा बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई और ऐसा लगता है कि अब तेल की कीमतें गिरावट का रुख लेंगी.

भारतीयों की पहली पसंदीदा कार महिंद्रा मराजो बनी, पार किया 10 हजार का आंकड़ा

नई दिल्ली। महिंद्रा ने हाल में ही अपनी नई कार मराजो लॉन्च की थी। इस कार को ग्राहकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। महज एक महीने के वकत में ही कार को अच्छी खासी बुकिंग मिल गई है। कंपनी ने बताया कि महिंद्रा मराजो को एक महीने में 10 हजार से ज्यादा लोगों ने बुक किया है। कंपनी ने लिए ये एक

सकारात्मक आंकड़ा है। मराजो नाम Basque भाषा से लिया गया है, जिसका इंग्लिश में अर्थ शार्क होता है। मराजो महिंद्रा की पहली पैसेंजर कार है, जिसे उसकी रिसर्च वैली चेन्नई और उत्तर अमेरिका टेक्निकल सेंटर द्वारा मिलकर तैयार किया गया है। फिलहाल, यह कार बुकिंग में तो आगे निकल गई है लेकिन देखना यह होगा कि इसकी परफोर्मेंस लोगों को कितना आकर्षित कर पाती है। बता दें, मराजो को कंपनी ने चार वेरियंट में लांच किया था।

जारी की जियो ने दिवाली धमाका, मिलेगा 547.5 जीबी डाटा और 100 प्रतिशत कैशबैक

नई दिल्ली। रिलायंस जियो लांचिंग के साथ ही धमाकेदार ऑफर के लिए जाना जाता है। जियो समय-समय पर अपने ग्राहकों के लिए नए-नए ऑफर्स भी पेश करता है। अभी कुछ दिन पहले ही कंपनी ने दूसरी सालगिरह के मौके पर कई सारे ऑफर्स पेश किए थे, वहीं अब जियो ने त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए दिवाली धमाका ऑफर पेश किया है। जियो के दिवाली धमाका ऑफर के तहत ग्राहकों को 100 फीसदी कैशबैक दिया जाएगा तो आइए जियो के इस नए ऑफर के बारे में विस्तार से जानते हैं। जियो ने इस ऑफर के तहत 1,699 रुपये का प्लान पेश किया है जिसकी वैधता 1 साल की है। इस प्लान में ग्राहकों को सभी नेटवर्क पर अनलिमिटेड कॉलिंग मिलेगी और साथ में रोज 100 मैसेज भी मिलेंगे। जियो के 1,699 रुपये वाले प्लान की वैधता 365 दिनों की है और इसमें कुल 547.5 जीबी डाटा मिलेगा यानि रोज आपको 1.5 जीबी डाटा मिलेगा।

वेस्टइंडीज से पहली डे-नाइट वनडे टक्कर, पहलुओं पर विराट की नजर

गुवाहाटी। भारतीय क्रिकेट टीम रविवार से यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ खिलाफ होने वाली पांच मैचों की वनडे सीरीज के पहले वनडे में रविवार को अगले साल होने वाले विश्वकप की तैयारियों को परखने के इरादे से मैदान पर उतरेगी. कुल मिलाकर गुवाहाटी के पहले डे-नाइट वनडे मुकाबले से भारतीय मैनेजमेंट कई पहलुओं को परखने जा रहा है. और इसकी शुरुआत ऋषभ पंत को इलेवन में जगह देने और विराट कोहली के अंबाती रायुडु के बयान से शुरू हो चुकी है. इंग्लैंड में होने वाले 50 ओवरों के विश्वकप से पहले भारत 18 वनडे मैच खेलेगा. यह मुकाबला दोपहर डेढ़ बजे से खेला जाएगा.

जॉंटी रोड्स ने विराट और धोनी की कप्तानी को बताया सर्वश्रेष्ठ

नई दिल्ली। एमएस धोनी एक बेहतरीन कप्तान के रूप में टीम इंडिया के लिए लगभग 10 साल कप्तानी की. विराट कोहली अब टीम की कमान संभाल रहे हैं. दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर जोंटी रोड्स ने माना कि कोहली कोहली की कप्तानी धोनी की कप्तानी से काफी अलग

है. जोंटी रोड्स ने कहा विराट एमएस धोनी से काफी अलग है, वह कप्तान कूल था. और विराट हमेशा एग्रेसिव क्रिकेट खेलता है. विराट एमएस धोनी से काफी अलग है, वह कप्तान कूल था. और विराट हमेशा एग्रेसिव क्रिकेट खेलता है. यदि आप फिट नहीं हैं, तो आप एक दिन भारत के लिए नहीं चुने सकते हैं क्योंकि विराट सभी को देखने के लिए फिटनेस के उच्च मानकों को सेट करता है और जहां तक इंग्लैंड श्रृंखला का संबंध है, वे वापस आ जाएंगे.

डेनमार्क ओपन : ग्रिगोरिया मरिस्का को हराकर फाइनल में पहुंचीं साइना नेहवाल

कोपनहेगन। साइना नेहवाल ने डेनमार्क ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की चुनौती बरकरार रखी है. उन्होंने शनिवार को इंडोनेशिया की ग्रिगोरिया मरिस्का तुनजुंग को 21-11, 21-12 से हराकर महिला सिंगल्स के फाइनल में प्रवेश किया. इससे पहले पुरुष सिंगल्स के सेमीफाइनल में किदांबी श्रीकांत को हार का सामना करना पड़ा।

सोना के दामों में 45 रुपये की तेजी, चांदी की किमतों में 100 रुपये की मजबूती पाई गई

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों के सकारात्मक संकेतों तथा स्थानीय सर्राफा कारोबारियों की मांग से दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना शनिवार को लगातार दूसरे दिन मजबूत रहा। इसमें 45 रुपये की तेजी रही और यह 32,270 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। दीपावली त्योहार से पहले सिक्का निर्माताओं की मांग बढ़ने से चांदी भी 100 रुपये मजबूत होकर 39,600 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

दिन के हिसाब से करें काम, अगर पाना चाहते हैं ऐशो-आराम की जिंदगी

सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र और शनि ये सभी दिनों के स्वामी हैं। मुहूर्त के आधार पर सप्तवारों में कौन-कौन से विशिष्ट शुभ कार्य करने चाहिए जो लाभदायक एवं सिद्धिदायक हों। संक्षिप्त रूप में उनका विवरण निम्नलिखित है ङ्क

रविवार - दिनों का राजा सूर्य है। यदि प्रजा अपने राजा के दर्शन की इच्छुक हो तो उसे अपने रक्षक, प्रिय राजा के दर्शन रविवार को करना चाहिए। हवनादि से संबंधित कार्य रविवार को करना शुभ होता है।

सोमवार - उबटन लगाना, श्रृंगार की वस्तुएं खरीदना और उनका प्रयोग आरंभ करना, फलों का रसपान, वृक्षारोपण आदि कार्य शुभ होता है।

मंगलवार - भेद नीति के कार्य सेनापति का पद

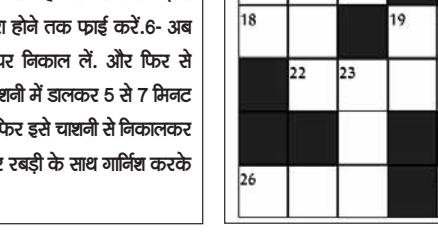

- ग्रहण अथवा सेना पदग्रहण, व्यायाम प्रारम्भ करने के लिए मंगलवार का दिन शुभ है।

बुधवार - कन्या के विवाह आदि को तय करने की स्वीकारोक्ति बुधवार को शुभ मानी गयी है। कोई कभी अपना हितैषी रहा हो और अब दुश्मन बन गया हो और यदि उससे संधि करना हो, तो प्रयास बुधवार से प्रारम्भ करें। यदि रूठे को मनाना हो तो बुधवार को मनावें, शुभ फल की प्राप्ति होगी। नवीन वस्त्र धारण भी शुभ होता है।

गुरुवार - इस दिन से देवता की आराधना प्राम्भ करना, अध्ययन- अध्यापन के कार्य का शुभारम्भ, साधु–महात्मा एवं गुरुजनों से दीक्षा ग्रहण करना, सुन्दर वस्त्र, आभूषणों को खरीदना, कृषि कार्य का प्रारम्भ करना प्रशस्त माना गया है।

शुक्रवार - शुक्रवार के दिन कन्यादान, हाथी-घोड़े का क्रय-विक्रय, नवीन परिधान धारण करना, गायन, वादन, नृत्यारम्भ करना शुभ है।

शनिवार - नगर, ग्राम में बसना, खम्बे गाड़ना, गृहप्रवेश करना, शनिवार को शुभ फल दायक होता है। किसी चीज की स्थापना करना भी शनिवार को शुभ होता है।

आज का राशिफल

मेषः आज का दिन सामाजिक प्रवृत्तियों और मित्रों के साथ की दौड़धूप में व्यतीत हो सकता है। सरकारी कार्यों में सफलता मिलेगी। बुजुर्गों तथा पूजनीय व्यक्ति यों को मिलना होगा। दूर रहनेवाली संबंधियों से शुभ समाचार मिलेंगे।

वृषभः आज नए कार्यों का प्रारंभ कर सकेंगे। नौकरी पेशावालों के लिए आज का दिन शुभ है। उन्हें आय वृद्धि या प्रमोशन का समाचार मिलेगा। सरकारी लाभ मिलेगा। गृहस्थ जीवन में सुख-शांति रहेगी। अधूरे कार्य पूर्ण होंगे।

मिथुनः शरीर में स्फूर्ति का अभाव हो सकता है। व्यवहार में संयम और विवेक बनाए रखें। खर्च की मात्रा अधिक हो सकती है। नौकरी-व्यवसाय में साथ काम करने वालों का सहयोग मिलेगा। प्रतिस्पर्धियों से सचेत रहें।

कर्कः आज का दिन मिश्रित फलदायी होगा। नकारात्मक विचारों से दूर रहें। खान-पान पर ध्यान नहीं रखेंगे तो स्वास्थ्य खराब हो सकता है। परिजनों के साथ वाद-विवाद ना हो, इसका ध्यान रखें। व्यर्थ व्यय से बचें।

सिंहः आज का दिन मध्यम फलदायी होगा। दांपत्य जीवन में मामूली बात पर मनमुटाव होने की आशंका है। पति-पत्नी दोनों में से किसी का स्वास्थ्य खराब होने की आशंका है। व्यापारीगण साझेदारों के साथ धैर्य से काम लें।

कन्याः आज आपका दिन शुभ है। घर में सुख-शांति रहेगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। सुखप्रद घटनाएं घटेंगी। स्वास्थ्य बना रहेगा। बीमार व्यक्ति यों के स्वास्थ्य में सुधार होगा। आर्थिक लाभ की प्राप्ति होगी।

तुलाः कल्पना और सृजनशक्ति की प्रगति से संतोष अनुभव करेंगे। व्यर्थ वाद-विवाद या चर्चा में न पड़ने की गणेशजी सलाह देते हैं। स्वास्थ्य के मामले में पाचनतंत्र से सम्बंधित समस्याएं आ सकती हैं।

वृश्चिकः नौकरी या व्यावसायिक स्थल पर संभलकर कार्य करें। उच्चाधिकारियों के नकारात्मक रवैये के कारण आपको कष्ट हो सकता है। माताजी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आर्थिक नुकसान की आशंका है।

धनुः आपका मन शांत और प्रसन्न रहेगा। भाई-बहनों के साथ अधिक मेल-जोल रहेगा। नए काम की शुरुआत आज के दिन कर सकते हैं। संबंधियों तथा मित्रों का आपके यहां आगमन होने से आनंद अनुभव होगा।

मकरः क्रोध व वाणी पर संयम रखें, अन्यथा हानि हो सकती है। परिजनों के साथ गलतफहमी ना हो, इस बात का ध्यान रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभः आर्थिक दृष्टि से दिन लाभदायी रहेगा। संबंधियों तथा मित्रों के साथ मिष्टान और सुरुचिपूर्ण भोजन का रसास्वादन करेंगे। एकाध पर्यटन का भी आयोजन होगा।

मीनः मानसिक व्यग्रता का अनुभव करेंगे। धार्मिक कार्यों के पीछे खर्च हो सकता है। कोर्ट-कचहरी के कामकाज में तथा किसी का जमानती होने के संबंध में सावधानी से काम लेने की गणेशजी की सलाह है।

जानिये रबड़ी मालपुआ, बनाने की विधि

सामग्री : (रबड़ी के लिए)दूध- 1 लीटर,चीनी- 225 ग्राम, केसर- 1/2 टीस्पून, इलायची पाउडर- 1 टीस्पून, पिस्ता- 1 टेबलस्पून, बादाम- 1 टेबलस्पून (चीनी सिरप के लिए) चीनी- 500 ग्राम,पानी- 300 मि.ली., केसर- 1/2 टीस्पून, इलायची पाउडर- 1 टीस्पून .(मालपुए के लिए). मैदा- 150 ग्राम, खोआ- 170 ग्राम,चीनी पाउडर- 2 टीस्पून, सौंफ के बीज – 1 टीस्पून, पानी- 280 मि.ली., घी- तलने के लिए .

विधि- रबड़ी बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में 1 लीटर दूध डालकर गर्म होने के लिए रख दें. जब यह दूध उबलने लगे तो इसमें 225 ग्राम चीनी, 1/2 चम्मच केसर, 1 चम्मच इलायची पाउडर डालकर अच्छे से मिलाएं. और इसे गाढ़ा होने तक पकाते रहें. 2- जब दूध गाढ़ा हो जाए तो इसमें एक चम्मच पिस्ता, एक चम्मच बादाम डालकर मिलाएं, और फिर से एक कटोरी में निकाल कर फ्रिज में ठंडा होने के लिए रख दें. 3- चाशनी बनाने के लिए एक पैन को गैस पर रखें, और इसमें 300 मिलीलीटर पानी डालकर गर्म करें. जब पानी उबलने लगे तो इसमें 500 ग्राम चीनी डालकर अच्छे से मिलाएं. अब इसमें ½ चम्मच केसर, 1 चम्मच इलायची पाउडर डालकर अच्छे से मिलाएं, और आंच उतार कर रख दें.4- मालपुआ बनाने के लिए एक कटोरे में 150 ग्राम मैदा ले ले, फिर इसमें 170 ग्राम मावा, 2 चम्मच चीनी पाउडर, 1 चम्मच सौंफ, 280 मिलीलीटर पानी डालकर गाढ़ा घोल बना लें, और आधे घंटे के लिए ढक कर रख दें.5- अब एक पैन को गैस पर रखें, और इस में घी डालकर गर्म करें. जब घी गर्म हो जाए तो इसमें तैयार किए हुए घोल का थोड़ा सा हिस्सा डालकर फैलाएं, और हल्की आंच पर दोनों तरफ से कुरकुरा होने तक फ्राई करें.6- अब इसे ब्रुश पेपर पर निकाल लें. और फिर से तैयार की हुई चाशनी में डालकर 5 से 7 मिनट के लिए छोड़ दें, फिर इसे चाशनी से निकालकर बादाम पिस्ता और रबड़ी के साथ गार्निश करके सर्व करें.

शब्द सामर्थ्य-65

बाएं से दाएं

1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भ्रमर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

ऊपर से नीचे

1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है 2. हविर्दान के समय उच्चारित एक शब्द, भष्म 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ लगाने तथा मैला साफ करने वाली 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पाचंवा हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

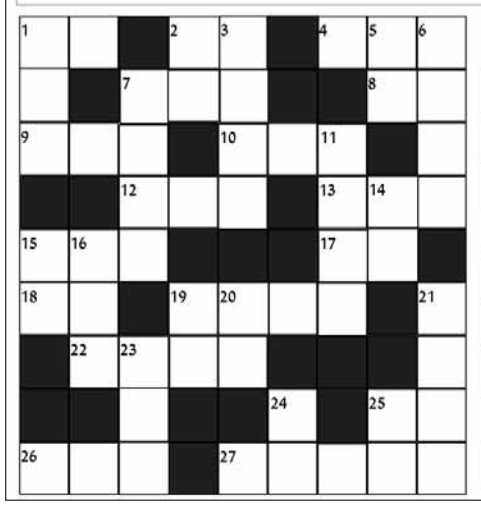

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 64 का हल

वि	ज	य	■	ब	नि	या	■	दे
वा	■	ती	त	र	■	रा	जी	व
ह	मा	म	■	स	प	ना	■	ता
■	न	■	■	■	टा	■	■	■
दा	व	त	■	वि	ना	श	■	अ
य	■	ह	त्या	■	■	ह	र्जा	ना
रा	ह	त	■	न	ज	र	■	व
■	वा	■	■	■	मी	■	ना	श्य
दु	ला	रा	■	जा	न	की	■	क

सू-दोकू-65

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.64 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7